आलस्य और अलबेलापन - 22

अव्यक्त बापदादा :- (18. 01. 1979)

➳ _ ➳ संगमयुग के महत्व को जानते हुए हर संकल्प और सेकेण्ड जमा करते हो? व्यर्थ तो नहीं जाता है? सेकेण्ड भी व्यर्थ गया तो सेकेण्ड की वैल्यू बहुत बड़ी है। जैसे एक का लाख गुना बनता है वैसे एक सेकेण्ड भी व्यर्थ जाता तो लाख गुना व्यर्थ गया। इतना अटेन्शन रहता है। अलबेलापन तो नहीं आता। अभी वह समय नहीं है। अभी तो चल जाता है, कोई हिसाब लेने वाला ही नहीं है लेकिन थोड़े समय के बाद अपने आपको ही पश्चाताप होगा। समय की वैल्यू है समय के वरदान से ही अमूल्य रतन बनते हो। अमूल्य रतन समय भी अमूल्य रीति से व्यतीत करते हैं। **अमूल्य रतन समझने से सेकेण्ड और संकल्प भी अमूल्य हो जायेंगे।**

➢➢ अभी का समय

➳ _ ➳ ये कौन सा समय है

→ कमाई करने का समय

→ **अतीन्द्रिय सुख प्राप्त करने का समय**

- आत्मा ने जन्म-जन्म इन्द्रिय सुख प्राप्त किया है
  - अतीन्द्रिय सुख केवल अभी प्राप्त होता है

→ जन्म-जन्म के हिसाब-किताब को चुक्तु करने का समय

→ **परमात्म प्रेम, परमात्म मिलन, परमात्म वर्सा, परमात्म परिवार, सम्बन्ध ये सबकुछ प्राप्त करने का समय है**

→ संगमयुग का आतंरिक वर्सा

- सुख स्वरुप
- शांत स्वरुप
- मन की संतुष्टता

→ **जमा करने का, सबकुछ सफल करने का समय**

→ **सारे कल्प का रिकॉर्ड भरने का समय**

→ जागृति का समय, जगाने का समय

→ सारे विधि-विधान बनने का समय

→ भक्तों की मनोकामनाएं पूर्ण करने का समय

→ आत्माओं को परमात्मा से मिलाने का समय

→ मुक्ति-जीवन्मुक्ति का रास्ता बताने का समय

➳ _ ➳ समय का महत्व

→ खुश रहने का समय

→ सबके साथ संघठन में मिलजुलकर रहने का समय

→ स्वयं का स्वयं परिवर्तन करने का समय

→ दूसरों की सेवा करने का समय

→ मौज में रहने का समय

→ भगवान से सबकुछ ले लेने का समय

- **भगवान ने यज्ञ रचा है, इस यज्ञ से मनोवांछित इच्छा पूर्ण हो जाएगी**
- जो मांगोगे वो मिलेगा, जिसको जो चाहिए वो मिलेगा

→ **मधुबन के सुखों का अनुभव करने का समय**

→ मधुबन के वातावरण को और शक्तिशाली बनाने का समय

→ विशेष आत्माओं का संग करने का समय

→ **श्रेष्ठ संस्कारों के सृजन का समय**

→ **नए संकल्प, नई दृष्टि, नई वृत्ति, नए स्वभाव, नए प्लान, नई योजनायें, नई सेवाएँ, नई रात, नई सुबह, सबकुछ नया बनाने का समय**

➳ _ ➳ जो समय नष्ट करता है उनका क्या होगा

→ **वो धोखा खायेंगे, रोयेंगे, चिल्लायेंगे**

→ उनके हाथ खाली रहेंगे

→ **सफलता उन्हें कभी नहीं प्राप्त हो सकती**

➢➢ संगमयुग के महत्व को जानते हुए हर संकल्प और सेकेण्ड जमा करते हो?

➳ _ ➳ सेकंड भी व्यर्थ ना जाए

→ **जैसे एक का लाख गुना बनता है वैसे एक सेकेण्ड भी व्यर्थ जाता तो लाख गुना व्यर्थ गया**

→ थोड़े समय के बाद अपने आपको ही पश्चाताप होगा

→ समय की वैल्यू है समय के वरदान से ही अमूल्य रतन बनते हैं

→ **अमूल्य रतन समय भी अमूल्य रीति से व्यतीत करते हैं**

→ **अमूल्य रतन समझने से सेकेण्ड और संकल्प भी अमूल्य हो जायेंगे**

➳ _ ➳ समय के बारे में दिनभर चिन्तन करना है

→ अथर्ववेद में समय को अश्व के रूप में दिखाया है

→ समय किसी के लिए रुकता नहीं है

→ **समय किसी के लिए ना धीमा होता है, ना तेज होता है**

→ **समय की गति एकरस है**

→ समय जवान, बूढा नहीं होता

→ समय नया, पुराना नहीं होता

→ **समय किसी का इन्तजार नहीं करता**

→ समय को काल भी कहा जाता है

- भारत में समय, काल और ईश्वर एक ही शब्द है

→ हमारे समय को व्यर्थ नहीं गंवाना है

→ चिन्तन करना है कहाँ-कहाँ, किन-किन बातों में व्यर्थ जा रहा है

- क्या-क्या सुनने में व्यर्थ जा रहा है
- क्या-क्या देखने में व्यर्थ जा रहा है
- क्या-क्या पढने में व्यर्थ जा रहा है
- किसी से बात करने में
- घूमने में

→ **<u>जहाँ-जहाँ समय व्यर्थ जा रहा है उसको रोकना है</u>**

- क्योंकि अभी समय सफल नहीं किया तो पश्चाताप ही होगा

- एक बार बीता हुआ समय वापस नहीं आता है
- **<u>समय के गर्भ में ही सारी संपदा छिपी हुई है</u>**
- **सारे अविष्कार, सारी सफलता, सारे धन समय के गर्भ में छुपा हुआ है**

➳ _ ➳ समय से सम्बंधित topics-

→ समय और भगवान

→ समय और विनाश

→ समय और संगमयुग

→ समय और मधुबन

→ समय और ब्राह्मण जीवन

→ समय और यथार्थता

→ समय और सबकुछ समय के बंधन में

→ समय और प्राप्तियां

→ समय और मंजिल

→ समय और भाग्य

→ समय और कर्म

→ समय और संस्कार

→ समय और सेवा

→ समय और परिवार

→ समय और हमारी गति

→ समय और परिवर्तन

→ समय और याद की यात्रा

→ समय और स्थिति

→ समय और पढाई

→ समय और हमारी दिनचर्या

→ समय और कर्त्तव्य

→ समय और उसका उपयोग

→ समय और कमाई

→ समय और स्मृति

→ समय और सावधानी

→ समय और संकल्प

→ समय और सम्बन्ध

→ समय और पहचान

→ समय और सफलता

→ समय और स्वयं

→ समय और संयम

→ समय और साधन

→ समय और साधना

→ समय और समीपता

→ समय और सम्पूर्णता

→ समय और अव्यक्त स्थिति

→ समय और हमारी सम्पूर्ण स्थिति

→ समय और स्वमान

→ समय और समस्या

→ समय और समाधान

→ समय और स्थान

→ समय और भाग्य

→ समय और संतुलन

→ समय और उसकी गति